084 सुरह इन्शीकाक. (मजामीन)

खुलासा मज़ामीने कुरान उर्दू किताब.
मौलाना मलिक अब्दुर्रउफ साहब.

नोट.- ये PDF कोई भाषा या व्याकरण नही हे,
बल्कि दीन-ए-इस्लाम को समझने के लिये हे.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम.

» इन्सान के आमाल नामे.

कयामत का इन्कार करने वाला, नेक लोगो और बुरे लोगो का बदला और सज़ा.

कयामत का जिक्र करते हुये फरमाया इन्सान आहिस्ता आहिस्ता अपने रब की तरफ जा रहा हे और उस्से (अपने रब से) हर हाल मे मिलने वाला हे, जिस शख्स को उस्का अमाल नामा दाये हाथ मे दिया गया, उस्से आसान हिसाब लिया जायेगा, और वो खुशी-खुशी अपने घर वालो के पास लौटेगा, और जिस शख्स का आमाल नामा पीठ के पीछे से दिया जायेगा वो मौत को पुकारेगा, और वो धडकती हुई आग मे जा गिरेगा, ये गाफिल अपने घर वालो मे मगन था, उसने ये समझा था कि उसे कभी पलटना नही हे, पलटना कैसे ना था! उस्का रब उस्के करतूत देख रहा था.

तो मे शफक (सूरज डूबने के बाद आसमान पर जो लाली छा जाती हे) की कसम खाता हु, और रात की और जो कुछ वो समेट लेती हे (इन्सान, जानवर जो दिनभर इधर उधर होते हे वो रात होने पर अपने ठिकाने पर आ जाते हे) और चांद की कसम! कि तुम्हे ज़िन्दगी की बहुत सी मंज़िले तय करके आखिरत तक पहुंचना हे, फिर इन्को

क्या हो गया हे कि ये ईमान नही लाते! और जब उन्के सामने कुरान पढा जाता हे तो ये सज्दा नही करते (यहा पर एहतियात के तौर पर सज्दा करले) इन्को बतादे कि इन्के लिये दर्दनाक अज़ाब हे, ईमान वालो के लिये कभी ना खत्म होने वाला अज्र व सवाब हे.